वर्ष-18 अंक-41 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, शुक्रवार 06 दिसम्बर 2024

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI No.- UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

सीएसए में आयोजित होगा दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में 8 एवं 9 दिसंबर 2024 को आयोजित होने वाली 12वीं अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन की अध्यक्षता डॉ आनंद कुमार सिंह कुलपति के द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर एनके शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉक्टर ए के वर्मा को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि देश-विदेश से सहभागिता कर रहे वैज्ञानिकों की संख्या 250 से अधिक होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन का विषय वैश्विक कल्याण हेतु वैश्विक अनुसंधान है। उद्घाटन अवसर पर डॉक्टर सुशीला देवी श्रेष्ठा, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू नेपाल एवं डॉ नरेंद्र भोजक, बीकानेर विश्वविद्यालय, राजस्थान सहित लगभग 18 राज्यों और विदेश से नाइजीरिया, यूनाइटेड स्टेट, कोट द इवोर देश के वैज्ञानिकों ने भी पंजीकरण कराया है। इस अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान समुदाय द्वारा कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह को ग्लोबल रिसर्च फॉर ए बेटर टुमारो विषय के की नोट स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया है। डॉ शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ सी एल मौर्य, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार, प्रोफेसर कौशल कुमार को अतिथि वक्ता के रूप में प्रतिभाग करने हेतु आमंत्रित किया गया है। इस परिचर्चा के उपरांत प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर निकट भविष्य में आने वाली चुनौतियों का समाधान वैज्ञानिक शोधों द्वारा किए जाने पर जोर दिया जाएगा, जिससे समाज को सहायता प्राप्त होगी। कार्यक्रम संयोजक डॉश एन के शर्मा, अधिष्ठाता, कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज, इटावा एवं डॉक्टर सीमा सोनकर सदस्य आयोजन समिति द्वारा उक्त जानकारी प्राप्त कराई गई है।

अमर उजाला 06/12/2024

सीएसए में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन आठ से

कानपुर। भविष्य की चुनौतियों का समाधान वैज्ञानिक शोधों से करने के उद्देश्य से चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में आठ व नौ दिसंबर को 12वां अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन आयोजित होगा। इसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह करेंगे।

सम्मेलन का विषय वैश्विक कल्याण हेतु वैश्विक अनुसंधान है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. एनके शर्मा ने बताया कि मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. एके वर्मा शामिल होंगे। इसमें देश-विदेश से 250 वैज्ञानिक हिस्सा लेंगे। इसके लिए त्रिभुवन विवि काठमांडू नेपाल से डॉ. सुशीला देवी, बीकानेर विवि राजस्थान से डॉ. नरेंद्र भोजक सहित लगभग 18 राज्यों और नाइजीरिया, यूनाइटेड स्टेट के वैज्ञानिकों ने पंजीकरण कराया है। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान समुदाय की ओर से कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह को ग्लोबल रिसर्च फॉर ए बैटर टुमारो विषय पर व्याख्यान के लिए नोट स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया है।

डॉ. शर्मा ने बताया कि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सीएल मौर्य, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मुनीश कुमार, प्रो. कौशल कुमार अतिथि वक्ता के रूप में प्रतिभाग करेंगे। इस दौरान डॉ. सीमा सोनकर मौजूद रहीं। (ब्यूरो)

मिलना था। काम समझाने के लिए ... खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विधिक

हिंदुस्तान 06/12/2024

... ही है।

मंथन करेंगे दुनियाभर के वैज्ञानिक

कानपुर। कृषि और जलवायु के क्षेत्र में भविष्य में आने वाली चुनौतियों के समाधान पर मंथन करने देश-दुनिया के विशेषज्ञ कानपुर आ रहे हैं। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में 8 व 9 दिसंबर को 12वें अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन की अध्यक्षता विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह करेंगे। इस सम्मेलन का विषय वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक अनुसंधान है। सम्मेलन के संयोजक डॉ. एनके शर्मा ने बताया कि मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. एके वर्मा आएंगे। इसमें देश-विदेश से 250 वैज्ञानिक शामिल होने आ रहे हैं।

आयोजन में शिवभक्ति और साहित्य की धारा प्रवाहित होगी।

सीएसए में आयोजित होगा दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन

दि ग्राम टुडे, कानपुर। (संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में 8 एवं 9 दिसंबर 2024 को आयोजित होने वाली 12वीं अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन की अध्यक्षता डॉ आनंद कुमार सिंह कुलपति के द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर एनके शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉक्टर ए के वर्मा को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि देश-विदेश से सहभागिता कर रहे वैज्ञानिकों की संख्या 250 से अधिक होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि "अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन का विषय वैश्विक कल्याण हेतु वैश्विक अनुसंधान" है। उद्घाटन अवसर पर डॉक्टर सुशीला देवी श्रेष्ठा, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू नेपाल एवं डॉ नरेंद्र भोजक, बीकानेर विश्वविद्यालय, राजस्थान सहित लगभग 18 राज्यों और विदेश से नाइजीरिया, यूनाइटेड स्टेट, कोट द इवोर देश के वैज्ञानिकों ने भी पंजीकरण कराया है। इस अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान समुदाय द्वारा कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह को ग्लोबल रिसर्च फॉर ए बेटर टुमारो विषय के की नोट स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया है। डॉ शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ सी एल मौर्य, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार, प्रोफेसर कौशल कुमार को अतिथि वक्ता के रूप में प्रतिभाग करने हेतु आमंत्रित किया गया है। इस परिचर्चा के उपरांत प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर निकट भविष्य में आने वाली चुनौतियों का समाधान वैज्ञानिक शोधों द्वारा किए जाने पर जोर दिया जाएगा, जिससे समाज को सहायता प्राप्त होगी। कार्यक्रम संयोजक डॉक्ट एन के शर्मा, अधिष्ठाता, कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज, इटावा एवं डॉक्टर सीमा सोनकर सदस्य आयोजन समिति द्वारा उक्त जानकारी प्राप्त कराई गई है।

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

रविवार, 6 दिसंबर 2024
वर्ष 3 , अंक 106, पृष्ठ 16
2 रुपये, 6 संस्करण
कुल 6 रुपये

अमृत विचार

कानपुर नगर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

कई दशक बाद सुलझी ब्रह्मांड के रहस्य की गुत्थी 16 आईएमडीबी लिस्ट की सबसे लोकप्रि

टिंग

अमृत विचार

दिन सिर्फ
टिंग करेंगे।
सेंटरों पर
कर्मचारियों
0 प्रतिशत
होने की
पर लगभग
वोटिंग हो

सीएसए विवि में अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन 8 से

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद (सीएसए) कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 8 व 9 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में 250 से अधिक विशेषज्ञ 'वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक अनुसंधान' विषय पर वैचारिक मंथन से भविष्य की चुनौतियों का विज्ञान के जरिए समाधान पेश करेंगे।

सम्मेलन की अध्यक्षता सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह करेंगे। कार्यक्रम संयोजक डॉ एनके शर्मा ने बताया मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ एके वर्मा हैं। उद्घाटन अवसर पर डॉ सुशीला देवी श्रेष्ठा, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू नेपाल व डॉ नरेंद्र भोजक, बीकानेर विश्वविद्यालय, राजस्थान भी मौजूद रहेंगे।

सिख

10

कार्यालय सं

अमृत विच
सभा कानपुर
एमएलसी स
की अगुवाई
ने साम्प्रदायि
गृह विभाग के
कुमार, विशे
उप सचिव
से मिलकर
पीड़ितों को द
के लिए सभ
अधिकारियों
प्रकरण का
को दस गु
जाएगा।

श्री गुरु
ने बताया वि
वोरा पैकेज,

29.0°
अधिकतम
19.0°
न्यूनतम
www.twitter.com/
worldkhabarexpress
www.facebook.com/
worldkhabarexpress
www.youtube.com/
worldkhabarexpress
WORLD
खबर एक्सप्रेस

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित होगा दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन

वर्ल्ड खबर एक्सप्रेस, कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय में 8 एवं 9 दिसंबर 2024 को 12वीं अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का विषय वैश्विक कल्याण हेतु वैश्विक अनुसंधान होगा और इसमें देश-विदेश के 250 से अधिक वैज्ञानिक भाग लेंगे। सम्मेलन के उद्घाटन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह करेंगे और मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ ए के वर्मा शामिल होंगे।

सम्मेलन में विभिन्न देशों के वैज्ञानिक अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे और वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक अनुसंधान पर चर्चा करेंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य वैज्ञानिक शोधों के माध्यम से समाज की समस्याओं का समाधान करना है। सम्मेलन के आयोजन समिति के सदस्य डॉ एन के शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन में नाइजीरिया, यूनाइटेड स्टेट, कोट द इवोर देश के वैज्ञानिक भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन वैज्ञानिक समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा और इसमें विभिन्न देशों के वैज्ञानिक अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करेंगे।

दैनिक जागरण 06/12/2024

मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने से ही बढ़ेगा उत्पादन

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता सम्मेलन कक्ष मे गुरुवार को विश्व मृदा दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन तथा मृदा संरक्षण एवं जल प्रबंधन विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. मुनीश कुमार ने बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य किसानों के साथ-साथ आम जनमानस को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है। जब तक मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर

मनाया गया विश्व मृदा दिवस

नहीं होगी तब तक फसल उत्पादन बढ़ाया नहीं जा सकता।

उन्होंने बताया कि विश्व मृदा दिवस 2024 की थीम मृदा की देखभाल, उपाय, निगरानी एवं प्रबंधन है। रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति खराब हो रही है। इसे बचाने की जरूरत है। मृदा विज्ञान विभाग के विभाग अध्यक्ष डा. अनिल सचान ने बताया कि किसानों को अपने खेतों का मृदा परीक्षण अवश्य कराना चाहिए। इससे मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों की सही जानकारी मिल जाती है। उन्होंने कहा कि मिट्टी परीक्षण द्वारा फसल के लिए उर्वरकों की उचित मात्रा की सिफारिश की जाती है। खादों के प्रयोग का समय तथा तरीके के बारे में पूर्ण जानकारी मिलती है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सर्वेश कुमार ने किया। इस अवसर पर डा. रजत मिश्रा, डा. विकास सिंह, डा. ताहिरा अर्जुमंद, डा. धर्मेंद्र शाह, डा. बृजेश कुमार, डा. अदिति चौरसिया एवं डा. पूजा शर्मा ने विशेष योगदान दिया।

विश्व मृदा दिवस पर सीएसए में मिट्टी की उर्वरता पर आयोजित विशेष चर्चा में उपस्थित अतिथि● संस्थान

अमर उजाला 06/12/2024

स्वस्थ हो धरा तो रहे खेत हरा

विश्व मृदा दिवस पर सीएसए में आयोजित हुआ कार्यक्रम

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विश्व मृदा दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन तथा मृदा संरक्षण एवं जल प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मुनीश कुमार ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों के साथ ही लोगों को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है। विश्व मृदा दिवस की थीम मृदा की देखभाल उपाय, निगरानी एवं प्रबंधन है। आधुनिक समय में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति खराब हो रही है।

स्वस्थ धरा, तो खेत हरा की राह पर छात्रों को चलने के लिए कहा। मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल सचान ने कहा कि किसान खेतों का मृदा परीक्षण अवश्य कराएं।

विशेषज्ञों ने किसानों से अपने खेतों की मिट्टी का परीक्षण कराने की अपील की

मिट्टी परीक्षण से फसल के लिए उर्वरकों की उचित मात्रा की सिफारिश की जाती है। प्रो. कौशल कुमार, प्रो. सर्वेश कुमार, डॉ. रजत मिश्रा, डॉ. विकास सिंह, डॉ. ताहिराअर्जुमंद, डॉ. धर्मेंद्र शाह, डॉ. बृजेश कुमार, डॉ. अदिति चौरसिया शामिल रहे।

lko-1.pdf

अमर भारती
एक उम्मीद
www.amarbharti.com

विश्व मृदा दिवस पर मिट्टी की उर्वरता पर हुई विशेष चर्चा

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में अधिष्ठाता सम्मेलन कक्ष मे विश्व मृदा दिवस का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन तथा मृदा संरक्षण एवं जल प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य किसानों के साथ-साथ आम जनमानस को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि विश्व मृदा दिवस 2024 की थीम मृदा की देखभाल उपाय, निगरानी एवं प्रबंधन है ।उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति खराब हो रही है। इस अवसर पर उन्होंने मृदा संरक्षण पर विशेष बल दिया।उन्होंने इस अवसर पर छात्र छात्राओं को एक नारा भी दिया कि स्वस्थ धरा, तो खेत हरा। मृदा विज्ञान विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ अनिल सचान ने बताया कि किसान भाई अपने खेतों का मृदा परीक्षण अवश्य कराएं। जिससे मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों की सही जानकारी मिल जाती है। उन्होंने कहा कि मिट्टी परीक्षण द्वारा फसल के लिए उर्वरकों की उचित मात्रा की सिफारिश की जाती है। खादों के प्रयोग का समय तथा तरीके के बारे में पूर्ण जानकारी मिलती है।मिट्टी परीक्षण द्वारा क्षारीय और लवणीय भूमियों की समस्या और उनके सुधारने के बारे में भी जानकारी प्राप्त हो जाती है। उन्होंने छात्रों को जागरूक करते हुए कहा कि मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए केंचुए की खाद एवं नाडेप कंपोस्ट तथा हरी खाद का प्रयोग अवश्य किया जाना चाहिए।जिससे मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी हो।

कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर सर्वेश कुमार ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ रजत मिश्रा, डॉ विकास सिंह, डॉक्टर ताहिरा अर्जुमंद, डॉक्टर धर्मेंद्र शाह, डॉक्टर बृजेश कुमार, डॉक्टर अदिति चौरसिया एवं डॉक्टर पूजा शर्मा ने विशेष योगदान दिया। इस अवसर पर 150 से अधिक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्व मृदा दिवस के अवसर पर मिट्टी की उर्वरता पर हुई विशेष चर्चा

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में अधिष्ठाता सम्मेलन कक्ष मे विश्व मृदा दिवस का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन तथा मृदा संरक्षण एवं जल प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य किसानों के साथ-साथ आम जनमानस को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि विश्व मृदा दिवस 2024 की थीम मृदा की देखभाल: उपाय, निगरानी एवं प्रबंधन है उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल से मिट्टी

की उर्वरा शक्ति खराब हो रही है। इस अवसर पर उन्होंने मृदा संरक्षण पर विशेष बल दिया उन्होंने इस अवसर पर छात्र छात्राओं को एक नारा भी दिया कि स्वस्थ धरा, तो खेत हरा। मृदा विज्ञान विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ अनिल सचान ने बताया कि किसान भाई अपने खेतों का मृदा परीक्षण अवश्य कराएं। जिससे मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों की सही जानकारी मिल जाती है। उन्होंने कहा कि मिट्टी परीक्षण द्वारा फसल के लिए उर्वरकों की उचित मात्रा की सिफारिश की जाती है। खादों के प्रयोग का समय तथा तरीके के बारे में पूर्ण जानकारी मिलती है मिट्टी परीक्षण द्वारा क्षारीय और लवणीय भूमियों की समस्या और उनके सुधारने के बारे में भी जानकारी प्राप्त हो जाती है। उन्होंने छात्रों को जागरूक करते हुए कहा कि मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए केंचुए की खाद एवं नाडेप कंपोस्ट तथा हरी खाद का प्रयोग अवश्य किया जाना चाहिए जिससे मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी हो कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर सर्वेश कुमार ने किया। अंत में सभी अतिथियों का धन्यवाद प्रोफेसर कौशल कुमार ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ रजत मिश्रा, डॉ विकास सिंह, डॉक्टर ताहिरा अंजुमंद, डॉक्टर धर्मेंद्र शाह, डॉक्टर बृजेश कुमार, डॉक्टर अदिति चौरसिया एवं डॉक्टर पूजा शर्मा ने विशेष योगदान दिया। इस अवसर पर 150 से अधिक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

तालाब के जमीन पर हो रहा अवैध शौचालय का निर्माण शेत्र

राष्ट्रीय स्वरूप

स्वच्छता आभयान चलाया एव गगा स्वच्छता का शपथ ।दलाइ। (आइजाआरएस) क अन्तगत प्राप्त (

विश्व मृदा दिवस के अवसर पर मिट्टी की उर्वरता पर हुई विशेष चर्चा

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में अधिष्ठाता सम्मेलन कक्ष मे विश्व मृदा दिवस का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन तथा मृदा संरक्षण एवं जल प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य किसानों के साथ-साथ आम जनमानस को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि विश्व मृदा दिवस 2024 की थीम *मृदा की देखभाल: उपाय, निगरानी एवं प्रबंधन है ।उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति खराब हो रही है। इस अवसर पर उन्होंने मृदा संरक्षण पर विशेष बल दिया ।उन्होंने इस अवसर पर छात्र छात्राओं को एक नारा भी दिया कि स्वस्थ धरा, तो खेत हरा। मृदा विज्ञान विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ अनिल सचान ने बताया कि किसान भाई अपने खेतों का मृदा परीक्षण अवश्य कराएं। जिससे मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों की सही जानकारी मिल जाती है। उन्होंने कहा कि मिट्टी

परीक्षण द्वारा फसल के लिए उर्वरकों की उचित मात्रा की सिफारिश की जाती है। खादों के प्रयोग का समय तथा तरीके के बारे में पूर्ण जानकारी मिलती है ।मिट्टी परीक्षण द्वारा क्षारीय और लवणीय भूमियों की समस्या और उनके सुधारने के बारे में भी जानकारी प्राप्त हो जाती है। उन्होंने छात्रों को जागरूक करते हुए कहा कि मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए केंचुए की खाद एवं नाडेप कंपोस्ट तथा हरी खाद का प्रयोग अवश्य किया जाना चाहिए ।जिससे मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी हो ।कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर सर्वेश कुमार ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ रजत मिश्रा, डॉ विकास सिंह, डॉक्टर ताहिरा अर्जुमंद,डॉक्टर धर्मेंद्र शाह,डॉक्टर बृजेश कुमार, डॉक्टर अदिति चौरसिया एवं डॉक्टर पूजा शर्मा ने विशेष योगदान दिया। इस अवसर पर 150 से अधिक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

AAJ KA KANPUR-102....

दैनिक
आज का कानपुर

रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों से खराब हो रही मिट्टी की उर्वरता-डॉ. मुनीश कुमार

कानपुर, संवाददाता द्वारा। आधुनिक समय में अधिक उत्पादन की ख्वाहिस से बिना मिट्टी की जांच रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों का जमकर प्रयोग किया जा रहा है। इससे मिट्टी की उर्वरता शक्ति कमजोर पड़ रही है। इसलिए मृदा संरक्षण पर विशेष बल देना चाहिये और जब स्वस्थ धरा होगी तो खेत भी हरा होगा। यह बातें गुरुवार को सीएसए में विश्व मृदा दिवस पर डॉ. मुनीश कुमार ने कही।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में गुरुवार को विश्व मृदा दिवस का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन तथा मृदा संरक्षण एवं जल प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार ने छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य किसानों के साथ-साथ आम जनमानस को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि विश्व मृदा दिवस 2024 की थीम ‘मृदा की देखभाल, उपाय, निगरानी एवं प्रबंधन है%। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति खराब हो रही है। इस अवसर पर उन्होंने मृदा संरक्षण पर विशेष बल दिया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को एक नारा भी दिया कि स्वस्थ धरा, तो खेत हरा।

मृदा विज्ञान विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ अनिल सचान ने बताया कि किसान भाई अपने खेतों का मृदा परीक्षण अवश्य कराएं। जिससे मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों की सही जानकारी मिल जाती है। मिट्टी परीक्षण द्वारा फसल के लिए उर्वरकों की उचित मात्रा की सिफारिश की जाती है। खादों के प्रयोग का समय तथा तरीके के बारे में पूर्ण जानकारी मिलती है। मिट्टी परीक्षण द्वारा क्षारीय और लवणीय भूमियों की समस्या और उनके सुधारने के बारे में भी जानकारी प्राप्त हो जाती है। उन्होंने छात्रों को जागरूक करते हुए कहा कि मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए केंचुए की खाद एवं नाडेप कम्पोस्ट तथा हरी खाद का प्रयोग अवश्य किया जाना चाहिए। जिससे मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोत्तरी हो। इस दौरान प्रोफेसर सर्वेश कुमार, प्रो. कौशल कुमार, डॉ. रजत मिश्रा, डॉ. विकास सिंह, डॉ. ताहिरा अर्जुमंद, डॉ. धर्मेंद्र शाह, डॉ. बृजेश कुमार, डॉ. अदिति चौरसिया, डॉ. पूजा शर्मा व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

आईसीएआर द्वारा कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की वेतन एवं सेवा संबंधी विसंगतियों को लेकर चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के नियंत्रण अधीन समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों में गुरुवार को एक दिवसीय व्यापक हड़ताल एवं प्रदर्शन किया गया। ज्ञातव्य हो कि केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिकों की सेवानिवृत्त आयु 62 वर्ष पर थी, जो नए आदेश के तहत 60 वर्ष कर दी गई। जबकि परिषद द्वारा अन्य भत्ते व पेंशन न देने का पत्र भी जारी कर दिया गया है। इस पर समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों ने पूर्व की भांति यूजीसी व्यवस्था के द्वारा शैक्षणिक लाभ प्रदान करवाने, सेवानिवृत्ति की आयु 62 वर्ष करवाने तथा पेंशन, ग्रेच्युटी अवकाश नगदीकरण, चिकित्सा भत्ता सहित अन्य भत्तों को पूर्व की भांति जारी रखने की मांग की है।